UP ATS SPOT
SPECIAL POLICE OPERATIONS TEAM

SPOT में रुचि दिखाने के लिए धन्यवाद !

SPOT एक नई यूनिट है, इसलिए इसके बारे में जिज्ञासा होना स्वाभाविक है। आपके सम्भावित सवालों का जबाव इस बुकलेट में है और इसके बाद भी आपके मन में कोई सवाल हो, तो आप email-ID addlsp.ctc-up@gov.in पर सम्पर्क कर सकते हैं।

असीम अरुण
पुलिस महानिरीक्षक
आतंकवाद निरोधक दस्ता
उत्तर प्रदेश

उददेश्य

दिन-प्रतिदिन की पुलिसिंग में हम अपराधियों की गिरफ्तारी में खास दिक्कत महसूस नहीं करते हैं, लेकिन जब हमारा सामना अत्याधुनिक हथियारों से लैस अपराधियों या आतंकवादियों से होता है या, जब अपहरणकर्ताओं के कब्जे कर अपहृत को छुड़ाने की बात सामने आती है, तो हम महसूस करते हैं कि हमें विशेष प्रशिक्षण, अत्याधुनिक हथियारों व, संसाधनों की आवश्यकता है।

ऐसे चुनौतीपूर्ण कार्यो को अंजाम देने के लिए SPOT यूनिट तैयार की जा रही है। यहाँ आपको शारीरिक एवं मानसिक रूप से उच्च कोटि के पुलिस-कर्मी के रुप में तैयार किया जायेगा ताकि आप जोखिमपूर्ण तथा चुनौतीपूर्ण पुलिस ऑपरेशन्स को नियंत्रित तरीके से सम्पादित कर सकें। ये यूनिट आदर्शवादी लोगों के लिए नियम कायदे से चलने का अवसर है। अपनी और साथियों की विशेषज्ञता का स्तर ऊँचा करने का भी यह मौका है।

अर्हताऐं

SPOT में CP व PAC, दोनों से पुलिसकर्मी आ सकते हैं।

SPOT में बने रहने के लिए अधिकतम आयु आरक्षी और मुख्य आरक्षी के लिए 40 वर्ष व उप-निरीक्षक के लिए 45 वर्ष निर्धारित की गई है।

निरीक्षक तथा राजपत्रित अधिकारियों के लिए आयु निर्धारित नहीं की जा रही है किन्तु प्रयास किया जाएगा कि नौजवान व फिट अधिकारियों की नियुक्ति की जाए।

कार्य काल

SPOT के अराजपत्रित कर्मियों का कार्यकाल 6 वर्ष का होगा। इस अवधि के बाद कर्मी, यदि फिटनेस मानक पूर्ण करता हो तो SPOT में कार्यरत रह सकता है। चयनित पुलिस कर्मियों की Posting दिये गये स्थानों में से उसके प्राथमिकता वाले स्थान पर यथासंभव की जायेगी। SPOT में कार्यकाल पूर्ण करने पर सिविल पुलिसकर्मियों को, प्रचलित नियमों के अधीन, उनके विकल्प के अनुसार नियुक्ति दी जाएगी।

चयन प्रक्रिया

इच्छुक सिविल पुलिसकर्मी IG ATS को ई-मेल से सीधे आवेदन देंगे, पीएसी कर्मी अपने सेनानायक के माध्यम से आवेदन देंगे । इसी प्रकार पुलिस टेलीकॉम कर्मी, DG टेलीकॉम के माध्यम से आवेदन देंगे । इसके बाद short-listed आवेदकों की परीक्षा ली जाएगी और सफल होने पर induction training के लिए स्पॉट प्रशिक्षण केंद्र में सम्बद्ध किया जाएगा। प्रशिक्षण में सफल कर्मियों की स्पॉट में नियुक्ति की जाएगी।

चयन परीक्षा

प्रथम चरण	**स्व-परीक्षा** (आवेदक स्वयं चेक कर लें कि वे 100 मीटर दौड़ 15 सेकेन्ड से कम समय में तथा 5 बीम लगा सकते हैं या नहीं)
द्वितीय चरण	**एटीएस द्वारा आयोजित परीक्षा** समय व स्थान सूचित किया जायेगा
तृतीय चरण	**इन्डक्शन कोर्स** एक माह का इन्डक्शन कोर्स, जिसमें आवेदक की शारीरिक तथा मानसिक योग्यता को निखारने हेतु आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा तथा अंत में परीक्षा ली जाएगी। सफल होने पर स्पॉट में नियुक्ति प्रदान की जायेगी।)

फिटनेस मानक

शारीरिक दक्षता परीक्षा	100 मीटर दौड़	15 सेकेन्ड में
	बीम	5 या अधिक
लिखित परीक्षा	15 मिनट का ऑडियो क्लिप	ऑडियो क्लिप को सुनकर उत्तर देना

SPOT फाइटरों की विशेषज्ञता और फिटनेस उच्चतम स्तर की रखने के लिए पुलिस महानिरीक्षक, ए.टी.एस. मानक निर्धारित करेंगे और वर्ष में 2 बार परीक्षा लेंगें। जो कर्मी परीक्षा पास नही होगें उन्हे एक मौका और दिया जायेगा और यदि फिर भी पास नहीं होते है तो जिस नियुक्ति जनपद/ इकाई से आए थे वहाँ वापस स्थानांतरित कर दिया जायेगा। SPOT में कार्यकाल पूर्ण करने पर सिविल पुलिस कर्मियों को, प्रचलित नियमों के अधीन, उनके विकल्प के अनुसार नियुक्ति दी जाएगी।

शारीरिक व लिखित परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले पुलिस कर्मियों को एक महीने के लिए लखनऊ स्थित SPOT कैम्पस में बतौर OSD (Officer on Special Duty) के रुप में डियूटी पर लगाया जायेगा। परीक्षा में सफलता के उपरांत पुलिस महानिरीक्षक, ए.टी.एस. की संस्तुति के आधार पर नियुक्ति आदेश जारी किया जायेगा। असफल होने पर उनको मूल इकाई वापस किया जायेगा। चयनित कर्मियों को नियुक्ति के उपरांत उन्हें 3 महीने का प्रशिक्षण SPOT प्रशिक्षण केन्द्र लखनऊ में प्रदान किया जायेगा।

व्यवस्थापन

SPOT की कुल 9 टीमे होंगी जो लखनऊ, आगरा, गाजियाबाद, वाराणसी एवं गोरखपुर में व्यवस्थापित रहेंगी। प्रत्येक टीम में 1-उ0नि0 तथा प्रत्येक 3-टीमों पर 1-निरीक्षक ग्रुप प्रभारी के रुप में नियुक्त रहेंगे। प्रत्येक ग्रुप की 1-1 टीम लखनऊ स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में turn-by-turn प्रशिक्षणरत रहेंगी तथा शेष टीमें उपरोक्त स्थानों पर डियूटीरत रहेंगी।

~ प्रोत्साहन ~

कार्य के जोखिम स्तर को देखते हुए इसमें पूर्ण सर्मपण की भावना अपेक्षित है अच्छे कर्मी आयें इसके लिए बेसिक वेतन का 30 प्रतिशत जोखिम भत्ता के रूप में तथा आवास प्राथमिकता पर दिया जायेगा। SPOT में एक वर्ष पूरा करने के उपरान्त जो भी ऐसे प्रशिक्षण हो जो उनकी सेवा में उनके लिए मददगार हो सकते हैं, उन्हे कराने की कोशिश की जायेगी, जैसे - PTI, ARMORER व DMI कोर्स इत्यादि।

सामान्य जिज्ञासाऐं

प्रश्न:- **मेरी नियुक्ति कहॉ होगी ?**

उत्तर:- SPOT में नियुक्ति के उपरान्त 3 महीने का प्रशिक्षण होगा जिसके बाद लखनऊ, गाजियाबाद, आगरा, वाराणसी एवं, गोरखपुर में से एक स्थान पर नियुक्त किया जायेगा। नियुक्ति स्थान से उसके आस-पास की डियूटी के लिए आपको बाहर जाना होगा तथा वर्ष में एक बार लखनऊ SPOT में 3 महीने के प्रशिक्षण के लिए आना होगा।

प्रश्न:- **क्या मुझे आवासीय सुविधा प्रदान की जायेगी ?**

उत्तर:- लखनऊ स्थित SPOT कैम्पस में 100 कमरों का एक हास्टल बन चुका है जिसमें से प्रत्येक कमरे में दो- दो कमांडो या प्रशिक्षणार्थी रहेंगे, इसके अतिरिक्त टाइप-1, टाइप-2 व, टाइप-3 के 45 आवास बन चुके है जो कि उपलब्धता के आधार पर दिये जायेगें । एटीएस परिचालन नियमावली के अनुसार मूल नियुक्ति के स्थान पर आवास में भी बने रह सकते हैं। अन्य स्थानों (गाजियाबाद,आगरा, वाराणसी, गोरखपुर) पर भी यही व्यवस्था लागू रहेगी ।

प्रश्न:- **SPOT में मुझे क्या काम करना होगा ?**

उत्तर :- आप आतंकवादी घटनाओं पर त्वरित प्रतिक्रिया, सशस्त्र खतरनाक अपराधियों की गिरफ़्तारी व् अन्य जोखिमपूर्ण ऑपरेशन्स पर कार्य करेगें जिसके लिए काफी समय प्रशिक्षण में व्यतीत कर काबिलियत विकसित करेंगे। अपने कार्य क्षेत्र में Site Security Survey करेंगे और कोई विशेष आयोजन (क्रिकेट मैच, पीएम का आगमन) होने पर QRT के रूप में कार्य करेंगे।

प्रश्न:- **जैसा फिल्मों में देखते है, क्या प्रशिक्षण बहुत संख्त होगा ?**

उत्तर :- प्रशिक्षण आपकी विशेषज्ञता सुधारने के लिये होगा जिसमें नई प्रशिक्षण तकनीकों तथा चोट रहित प्रशिक्षण पर बल होगा। आपकी फिटनेस में बहुत सुधार

होगा लेकिन वैज्ञानिक तरीके से धीरे-धीरे व्यायाम की कठिनाई का स्तर बढ़ाया जाएगा।

प्रश्न:- **प्रशिक्षण में क्या खास रहेगा ?**

उत्तर :- पहले बेसिक पुलिस टैकटिक्स (व्यक्ति तथा वाहन की तलाशी; हथकड़ी लगाने का तरीका, गिरफ्तारी की सही प्रक्रिया, आदि) के तरीके सिखायें जाएंगे जो प्रत्येक पुलिस कर्मी का आने चाहिए। इसके बाद स्पेशल पुलिस टैकटिक्स (रूम एन्ट्री, अपहृत की मुक्ति आदि) जैसे ऑपरेशन्स को करना सिखाया जाएगा। इसमें दोनों आखें खोलकर कर फायरिंग करना, एक साथ 3 हथियार रखना जिसमें एक हथियार असफल होने पर दूसरे हथियार का प्रयोग करना, आदि आपको सिखाया जायेगा।

प्रश्न:- **आपरेशन में कितना खतरा होगा ?**

उत्तर :- जीवन का मूल्य हमारे लिये सर्वोपरि है। हमारा प्रशिक्षण इसी मूल आधार पर व्यवस्थित रहेगा और हम आपको इस रूप में तैयार करेगें कि जान माल के नुक्सान के बिना आप ऑपरेशन सफलतापूर्वक सम्पादित कर सकें। फिर भी खतरा तो है ही।

प्रश्न:- **मैं महिला पुलिस कर्मी हूँ, क्या मैं भी SPOT में आ सकती हूँ?**

उत्तर :- निश्चय ही आप SPOT में आ सकती हैं। फाईटर के अतिरिक्त **SPOT में** प्रशासनिक स्टाफ भी चाहिये तथा महिलाफाईटर्स भी हमें चाहियें। अगर आप तय मानकों पर खरी उतरती हैं तथा प्रशिक्षण में सफल हुई तो एक सफल कमांडो भी बन सकती है।

अगर आप चुनौती के लिए तैयार हैं...

अगर आप विशेषज्ञ पुलिस कर्मी बनाना चाहते हैं तो...

...यह संस्था आपका इन्तज़ार कर रही है।

धन्यवाद

UTTAR PRADESH
UP ATS
ANTI-TERROR SQUAD

नोट: प्रयोग किए गए चित्र जनपदीय SWAT टीमों के हैं और उदाहरण के लिए हैं, SPOT टीम के उपकरण और अत्याधुनिक होंगे)